भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
वित्तीय सेवाएं विभाग
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 2630
जिसका उत्तर मंगलवार, 11 अगस्त, 2026/20 श्रावण, 1948 (शक) को दिया गया

पीएसबी द्वारा बट्टे खाते डाले गए ऋण

2630. श्री रणदीप सिंह सुरजेवाला:

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) वर्ष 2021-22 से सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा बट्टे खाते में डाले गए ऋणों (तकनीकी या अन्य) की मात्रा कितनी है, ₹100 करोड़ से अधिक के खातों के लिए पृथक रूप से वर्ष-वार तथा बैंक-वार मात्रा कितनी है;

(ख) इस अवधि के दौरान घोषित इरादतन चूककर्ताओं की कंपनी-वार कुल संख्या कितनी है और प्रत्येक के विरुद्ध बकाया राशि कितनी है;

(ग) बट्टे खाते डाली गई राशि में से वास्तव में वर्ष-वार कितनी राशि वसूल की गई है तथा कुल बट्टे खाते में डाले गए ऋण के प्रतिशत के रूप में वसूली दर क्या है; और

(घ) क्या मूल्य की दृष्टि से शीर्ष 50 इरादतन चूककर्ताओं में से किसी ने तब से किसी पीएसयू बैंक या एनबीएफसी से नई ऋण सुविधाएं प्राप्त की हैं, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क): पिछले पांच वित्तीय वर्षों के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी)द्वारा बट्टे खाते में डाली गई गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) का बैंक-वार और वर्ष-वार विवरण तथा बट्टे खाते में डाले गए खातों से वसूल की गई राशि एवं उनके प्रतिशत का विवरण **अनुबंध-1** में दिया गया है। इसके अतिरिक्त, सेंट्रल रिपॉजिटरी ऑफ इंफॉर्मेशन ऑन लार्ज क्रेडिट्स (सीआरआईएलसी)में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा रिपोर्ट किए गए आंकड़ों के अनुसार, 100 करोड़ रुपये से अधिक बैंक-स्तरीय बट्टे खाते में डाली गई राशि वाले उधारकर्ताओं का बैंक-वार और वर्ष-वार विवरण, दिनांक 31.3.2022, 31.3.2023, 31.3.2024, 31.3.2025 और 31.3.2026 की स्थिति के अनुसार **अनुबंध-2** में दिया गया है।

(ख): भारतीय रिजर्व बैंक से प्राप्त जानकारी के अनुसार, कंपनी-वार घोषित किए गए इरादतन चूककर्ताओं की कुल संख्या और प्रत्येक के लिए बकाया राशि के ब्यौरे का रखरखाव इनके द्वारा नहीं किया जाता है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 30.6.2026 की स्थिति के अनुसार 25 लाख रुपये और उससे अधिक के 15,930 जानबूझकर ऋण न चुकाने वालों (विल्फुल डिफॉल्टर्स) पर कुल 2,85,015 करोड़ रुपये की राशि बकाया थी।

(ग): बट्टे खाते में डाले गए खातों से वसूल की गई राशि का बैंक-वार और वर्ष-वार विवरण उनके प्रतिशत सहित **अनुबंध -1** में दिया गया है।

(घ) पिछले पांच वित्तीय वर्षों के दौरान किसी भी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक या एनबीएफसी से नई क्रेडिट सुविधाओं का लाभ उठाने वाले मूल्य के आधार पर शीर्ष 50 जानबूझकर ऋण न चुकाने वालों (विल्फुल डिफॉल्टर्स) के संबंध में, आरबीआई ने सूचित किया है कि दिनांक 28.11.2025 को जारी 'विल्फुल डिफॉल्टर्स और लार्ज डिफॉल्टर्स के साथ व्यवहार' पर मौजूदा आरबीआई निर्देशों के अनुसार, किसी भी उधारदाता द्वारा किसी व्यक्ति/इकाई को विल्फुल डिफॉल्टर के रूप में वर्गीकृत किए जाने के मामले में उधारदाताओं (बैंकों और एनबीएफसी सहित) के लिए निम्नलिखित दंडात्मक उपायों को लागू करना आवश्यक है:

(i) उधारदाताओं द्वारा किसी भी जानबूझकर ऋण न चुकाने वाले को या ऐसी किसी भी इकाई को जिसके साथ वह विल्फ़ुल डिफ़ॉल्टर जुड़ा हुआ है, कोई अतिरिक्त ऋण सुविधा प्रदान नहीं की जाएगी।

(ii) जानबूझकर ऋण न चुकाने वाले या ऐसी किसी भी इकाई को जिसके साथ वह विल्फ़ुल डिफ़ॉल्टर जुड़ा हुआ है, अतिरिक्त ऋण सुविधा पर लगाया गया यह प्रतिबंध, उधारदाताओं द्वारा एलडब्ल्यूडी से उसका नाम हटाए जाने के बाद एक वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी रहेगा।

(iii) उधारदाताओं द्वारा जानबूझकर ऋण न चुकाने वाले या ऐसी किसी भी इकाई को जिसके साथ वह विल्फ़ुल डिफ़ॉल्टर जुड़ा हुआ है, नए उद्यम शुरू करने के लिए कोई ऋण सुविधा, उधारदाताओं द्वारा एलडब्ल्यूडी से उसका नाम हटाए जाने के बाद पांच वर्ष की अवधि के लिए प्रदान नहीं की जाएगी।

*****

अनुबंध -1

'पीएसबी द्वारा बट्टे खाते डाले गए ऋण के संबंध में दिनांक 11.08.2026 के राज्य सभा अतारांकित प्रश्न सं 2630 के भाग (क) और (ग) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध'

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा बट्टे खाते में डाले गए एनपीए का विवरण

(राशि करोड़ रुपये में)

बैंक	वित्तीय वर्ष 2021-22			वित्तीय वर्ष 2022-23			वित्तीय वर्ष 2023-24			वित्तीय वर्ष 2024-25			वित्तीय वर्ष 2025-26*		
	बट्टे खाते में डाले गए ऋणों की राशि	बट्टे खाते में डाले गए खातों से वसूली	बट्टे खाते में डाले गए खातों के प्रतिशत के रूप में बट्टे खाते में डाले गए खातों की वसूली (% में)	बट्टे खाते में डाले गए ऋण की राशि	बट्टे खाते में डाले गए खातों से वसूली	बट्टे खाते में डाले गए खातों के प्रतिशत के रूप में बट्टे खाते में डाले गए खातों की वसूली (% में)	बट्टे खाते में डाले गए ऋण की राशि	बट्टे खाते में डाले गए खातों से वसूली	बट्टे खाते में डाले गए खातों के प्रतिशत के रूप में बट्टे खाते में डाले गए खातों की वसूली (% में)	बट्टे खाते में डाले गए ऋण की राशि	बट्टे खाते में डाले गए खातों से वसूली	बट्टे खाते में डाले गए खातों के प्रतिशत के रूप में बट्टे खाते में डाले गए खातों की वसूली (% में)	बट्टे खाते में डाले गए ऋण की राशि	बट्टे खाते में डाले गए खातों से वसूली	बट्टे खाते में डाले गए खातों के प्रतिशत के रूप में बट्टे खाते में डाले गए खातों की वसूली (% में)
	(क)	(ख)	ग = (ख /क)*100	(क)	(ख)	ग = (ख/क)*100	(क)	(ख)	ग = (ख/क)*100	(क)	(ख)	ग = (ख/क)*100	(क)	(ख)	ग = (ख/क)*100
बैंक ऑफ बड़ौदा	17,967	2,510	13.97	17,998	3,277	18.21	10,518	3,943	37.49	8,796	4,767	54.20	6,330	3,425	54.11
बैंक ऑफ इंडिया	10,443	1,097	10.50	8,694	1,207	13.88	9,897	1,467	14.82	7,959	2,365	29.71	5,923	2,674	45.15
बैंक ऑफ महाराष्ट्र	3,118	642	20.59	1,491	943	63.25	990	985	99.49	796	1,375	172.74	1,209	1,423	117.70
केनरा बैंक	8,210	2,747	33.46	12,760	5,110	40.05	11,827	6,032	51.00	14,350	6,924	48.25	13,541	6,565	48.48
सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया	1,236	332	26.86	10,258	1,283	12.51	10,001	1,433	14.33	3,370	1,716	50.92	1,719	2,271	132.11
इंडियन बैंक	8,347	1,612	19.31	7,952	2,177	27.38	8,734	1,879	21.51	4,916	2,548	51.83	6,562	2,335	35.58
इंडियन ओवरसीज बैंक	3,769	19	0.50	3,412	90	2.64	7,179	2,430	33.85	3,885	2,454	63.17	1,192	2,180	182.89
पंजाब एंड सिंध बैंक	1,134	261	23.02	2,283	512	22.43	796	691	86.81	1,521	551	36.23	632	707	111.87
पंजाब नेशनल बैंक	18,312	3,441	18.79	16,578	6,508	39.26	18,317	6,101	33.31	12,159	4,926	40.51	7,696	5,931	77.07
यूको बैंक	3,851	1,546	40.15	2,575	1,624	63.07	1,938	1,487	76.73	1,566	2,624	167.56	1,278	1,327	103.83
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया	19,484	2,750	14.11	19,175	5,549	28.94	18,264	3,987	21.83	11,634	4,311	37.06	6,643	3,997	60.17
भारतीय स्टेट बैंक	19,666	7,782	39.57	24,061	7,097	29.50	16,161	6,934	42.91	20,309	8,002	39.40	17,803	10,054	56.47

*स्रोत: आरबीआई (*वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अनंतिम डेटा)*

नोट: वाणिज्यिक (कमर्शियल) बैंकों के लिए जारी 'आरबीआई - तनावग्रस्त संपत्तियों का समाधान दिशानिर्देश 2025' के अनुसार, बट्टे खाते में डालना—जिसका एक बड़ा हिस्सा तकनीकी/विवेकपूर्ण/वसूली के अधीन अग्रिमों के कारण होता है—बैंकों द्वारा अपनी बैलेंस शीट को समायोजित करने के लिए अपनाई जाने वाली एक लेखांकन प्रक्रिया है। इस तरह बट्टे खाते में डालने से उधारकर्ताओं की देनदारियों में कोई छूट नहीं मिलती है और इसलिए, इससे उधारकर्ता को कोई लाभ नहीं होता है। उधारकर्ता पुनर्भुगतान के लिए उत्तरदायी बने रहते हैं और बैंक इन खातों में शुरू की गई वसूली कार्रवाइयों को जारी रखते हैं। बट्टे खाते में डाले गए ऋणों में वसूली एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और बैंक अपने पास उपलब्ध विभिन्न वसूली तंत्रों के तहत उधारकर्ताओं के खिलाफ शुरू की गई अपनी वसूली कार्रवाइयों को जारी रखते हैं। किसी विशेष वित्तीय वर्ष के दौरान बट्टे खाते में डाले गए ऋणों से वसूल की गई राशि उस विशेष वित्तीय वर्ष या पिछले वित्तीय वर्षों के दौरान बट्टे खाते में डाले गए ऋणों से संबंधित हो सकती है।

*****

अनुबंध-2

'पीएसबी द्वारा बट्टे खाते डाले गए ऋण के संबंध में दिनांक 11.08.2026 के राज्य सभा अतारांकित प्रश्न सं 2630 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध'

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों द्वारा उन उधारकर्ताओं के लिए बट्टे खाते में डाले गए एनपीए का विवरण जिनकी बैंक स्तर पर बट्टे खाते में डाली गई राशि 100 करोड़ रुपये से अधिक है

(राशि करोड़ रुपये में)

बैंक	कुल तकनीकी/विवेकपूर्ण बट्टे खाते में डाली गई राशि				
	दिनांक 31.03.2022 के अनुसार	दिनांक 31.03.2023 के अनुसार	दिनांक 31.03.2024 के अनुसार	दिनांक 31.03.2025 के अनुसार	दिनांक 31.03.2026 के अनुसार
बैंक ऑफ बड़ौदा	40,095	48,072	45,378	49,452	48,344
बैंक ऑफ इंडिया	21,714	25,629	31,031	30,075	24,599
बैंक ऑफ महाराष्ट्र	8,911	9,195	6,894	4,997	4,844
केनरा बैंक	32,733	34,731	34,165	34,441	29,091
सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया	17,611	20,066	20,284	17,799	17,580
इंडियन बैंक	24,679	25,136	23,145	22,048	20,425
इंडियन ओवरसीज बैंक	19,077	19,225	19,405	18,292	13,753
पंजाब एंड सिंध बैंक	2,927	3,395	2,619	3,067	2,923
पंजाब नेशनल बैंक	71,047	68,780	64,838	60,553	55,129
भारतीय स्टेट बैंक	1,24,428	56,373	55,689	52,011	47,394
यूको बैंक	19,352	18,983	17,189	15,024	12,788
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया	50,083	43,436	47,036	40,112	37,931

*स्रोत: आरबीआई (*वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अनंतिम डेटा)*

100 करोड़ रुपये से अधिक की राशि बट्टे खाते में डालने वाले उधारकर्ताओं की पहचान सीआरआईएलसी में रिपोर्ट किए गए विशिष्ट पैन के आधार पर की गई है।

*****